M.A. I Sem.

Paper code: 16SKT21HC1

वेद एवं वेदाङ्ग

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	ऋक् सूक्त – 1. अग्नि (1.1) 2. विष्णु (1.154) 3. इन्द्र (2.12) 4. रुद्र (2.33) 5. उषस् (3.61) 6. पर्जन्य (5.83)	20
घटक – II	ऋक् सूक्त – 1. सोम (8.48) 2. अक्ष (10.34) 3. पुरुष (10.90) 4. हिरण्यगर्भ (10.121) 5. वाक् (10.125) 6. नासदीय (10.129)	20
घटक – III	निरुक्त (अध्याय 1–2)	20
घटक – IV	(क) वैदिक सन्धि, शब्दरूप, धातुरूप (ख) वैदिक स्वर (सौवरः– महर्षिदयानन्दः) एवं पदपाठ	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1	(क)	चार में से दो मंत्रों की व्याख्या	2×5 =	10
	(ख)	दो में से एक प्रश्न	1 ×6=	6
घटक – II	(क)	चार में से दो मंत्रों की व्याख्या	2 ×5=	10
	(ख)	दो में से एक प्रश्न	1 ×6=	6
घटक – III	(क)	4 में से 2 की व्याख्या	2 ×6 =	12
	(ख)	6 में से 4 निर्वचन	4 ×1 =	4
घटक – IV	(क)	8 में से 4 सन्धि अथवा रूपों का विवेचन	4 ×2 =	8
	(ख)	4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या अथवा 4 में से 2 स्वर एवं पदपाठ सम्बन्धी टिप्पणी	2 ×4 =	8

अनुशंसित ग्रन्थ–

1. ऋक् सूक्त संग्रह – कृष्ण कुमार एवं हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार–मेरठ
2. यास्क प्रणीतं निरुक्तम् – कपिल देव शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
3. वैदिक व्याकरण – डॉ॰ रामगोपाल
4. वैदिक ग्रामर – अनुवादक– डॉ॰ सत्यव्रत

Paper code: 16SKT21HC2

संस्कृत व्याकरण–I

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	लघुसिद्धान्तकौमुदी : संज्ञा, सन्धि, स्त्रीप्रत्यय	20
घटक – II	लघुसिद्धान्तकौमुदी : अजन्त सुबन्त	20
	पु0– राम, सर्व, विश्वपा, हरि, सखि, प्रधी, सुधी, शम्भु, क्रोष्टु,	
	खलपू, गो, रै	
	स्त्री0– रमा, सर्व, मति, त्रि, स्त्री, धेनु	
	नपु0– ज्ञान, वारि,दधि,सुधी,प्रद्यौ	
घटक – III	लघुसिद्धान्तकौमुदी : हलन्त सुबन्त	20
	पु0– लिह्,दुह्,विश्ववाह्,चतुर्, अनडुह्, किम्,इदम्,तत्,राजन्, मघवन्,पथिन्,	
	युष्मद्, अस्मद्,प्राच्,धीमत्, विद्वस्, अदस्	
	स्त्री0– चतुर्,किम्,इदम्, अदस्,तत्	
	नपु0– तत्, किम्, इदम्, तुदत्, दीव्यत्	
घटक – IV	लघुसिद्धान्तकौमुदी : समास (अव्ययीभाव, तत्पुरुष, द्वन्द्व, बहुव्रीहि)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – I	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4×3 =	12
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4
घटक – II	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4 ×3=	12
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4
घटक – III	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4×3 =	12

	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4
घटक – IV	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4 ×3 =	12
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – धरानन्द शास्त्री
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – महेशसिंह कुशवाहा
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – ईश्वर सिंह
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – भीमसेन शास्त्री
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – डॉ0 सत्यपाल सिंह

Paper code: 16SKT21HC3

सांख्य एवं न्याय

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	सांख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण (1–26 कारिका)	20
घटक – II	सांख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण (27–72 कारिका)	20
घटक – III	तर्कभाषा, केशवमिश्र (प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण तक)	20
घटक – IV	तर्कभाषा, केशवमिश्र (अनुमान प्रमाण से प्रामाण्यवाद तक)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछें जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1	(क)	4 में से 2 कारिकाओं की व्याख्या	2×5 =	10
	(ख)	दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	1×6 =	6
घटक – II	(क)	चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या	2 ×5=	10
	(ख)	दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	1×6 =	6
घटक – III	(क)	4 में से 2 संदर्भों की व्याख्या	2 ×5 =	10
	(ख)	2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न	1×6 =	6
घटक – IV	(क)	4 में से 2 संदर्भों की व्याख्या	2 ×5 =	10
	(ख)	2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न	1×6 =	6

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. सांख्यकारिका, व्याख्या – गजानन शास्त्री मुसलगांवकर
2. सांख्यकारिका, व्याख्या – रामकृष्ण आचार्य
3. सांख्यकारिका, व्याख्या – ब्रजमोहन चतुर्वेदी
4. सांख्यकारिका, व्याख्या – एच0 एस0 विल्सन (English Translation)
5. सांख्यसिद्धान्त – आचार्य उदयवीर शास्त्री
6. सांख्यदर्शन का इतिहास – आचार्य उदयवीर शास्त्री
7. तर्कभाषा – व्याख्या, डॉ0 श्रीनिवास शास्त्री
8. तर्कभाषा – व्याख्या – आचार्य विश्वेश्वर
9. तर्कभाषा – व्याख्या – बद्रीनाथ शुक्ल
10. भारतीय न्यायशास्त्र : एक अध्ययन – ब्रह्ममित्र अवस्थी
11. भारतीय दर्शन – राधाकृष्णनन्
12. Classical Samkhya – G.J. Larson

Paper code: 16SKT21HC4

पद्यसाहित्य

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	मेघदूतम् – कालिदास (पूर्वमेघ)	20
घटक – II	मेघदूतम् – कालिदास (उत्तरमेघ)	20
घटक – III	शिशुपालवधम् – माघ (प्रथम सर्ग)	20
घटक – IV	बुद्धचरितम् – अश्वघोष (तृतीय सर्ग)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1	(क)	4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या	2×5 =	10
	(ख)	दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न।	1×6 =	6
घटक – II	(क)	4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या	2 ×5=	10
	(ख)	2 में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6 =	6
घटक – III	(क)	4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या	2 ×5 =	10
	(ख)	2 में से 1 प्रश्न	1×6 =	6
घटक – IV	(क)	4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या	2 ×5 =	10
	(ख)	2 में से 1 प्रश्न	1×6 =	6

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. मेघदूत, व्याख्याकार – एम0 आर0 काले, मोतीलाल बनारसीदास
2. मेघदूत, व्याख्याकार – एस0 के0 डे0, साहित्य अकादमी, दिल्ली
3. मेघदूत, व्याख्याकार – शिवराज शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
4. शिशुपालवधम्, व्याख्याकार – डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
5. बुद्धचरित – व्याख्याकार श्री रामचन्द्र शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

Paper code: 16SKT21HC5

भाषाविज्ञान

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक –I भाषा तथा भाषाविज्ञान का परिचय, विश्व की भाषाओं का वर्गीकरण (आकृतिमूलक, परिवारमूलक) 20

घटक – II भारोपीय परिवार का परिचय, इण्डो ईरानियन शाखा का परिचय, संस्कृत, पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश का उद्भव, विकास तथा तुलनात्मक अध्ययन 20

घटक – III ध्वनि एवं पद विज्ञान – उच्चारण अवयव, उनके कार्य, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण तथा दिशा, ध्वनि नियम, पद का स्वरूप, पद तथा शब्द में अन्तर, पद के भेद, पद परिवर्तन के कारण तथा दिशाएं 20

घटक – IV वाक्य एवं अर्थ विज्ञान –वाक्य का लक्षण तथा भेद, वाक्य परिवर्तन के कारण तथा दिशाएं, अर्थपरिवर्तन के कारण तथा दिशाएं 20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1 दो में से एक प्रश्न 16
घटक – II दो में से एक प्रश्न 16

घटक – III दो में से एक प्रश्न 16
घटक – IV दो में से एक प्रश्न 16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भाषाविज्ञान, डॉ0 कर्णसिंह, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
3. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, भोलाशंकर व्यास
4. पदपदार्थ समीक्षा, डॉ0 बलदेवसिंह, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन
5. A manual of Sanskrit phonetics by C. Uhlenbeck
6. Linguistic Introduction to Sanskrit by B.K. Ghosh
7. An Introduction to comparative philology by P.D. Gune
8. Sanskrit language , T. Burrow
9. Language, its nature, development and origin , O. Jesperson

M.A. II Sem.

Paper code: 16SKT22HC6

ब्राह्मण एवं उपनिषद्

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	(क) ऐतरेयब्राह्मण अध्याय –33	
	(ख) शतपथ ब्राह्मण वाङ्मनस् आख्यान	20
घटक – II	कठोपनिषद्	20
घटक – III	मुण्डकोपनिषद्	20
घटक – IV	तैत्तिरीयोपनिषद्	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1	(क) दो में से एक सन्दर्भ की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक सन्दर्भ की व्याख्या	8
घटक – II	चार में से दो संदर्भों की व्याख्या	16
घटक – III	चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	16
घटक – IV	चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. ऐतरेय ब्राह्मण, सायण भाष्य सहित, सम्पादक एवं अनुवादक – डॉ0 सुधाकर मालवीय, तारा प्रिंटिंग वर्क्स, वाराणसी
2. शतपथ ब्राह्मण, नगर पब्लिशर्स, जवाहर नगर, दिल्ली
3. एकादशोपनिषद् – सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, प्रकाशक–विजयकृष्ण, लखनपाल, W-77A, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली

Paper code: 16SKT22HC7

संस्कृत व्याकरण–II

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	लघुसिद्धान्तकौमुदी : तिङन्त प्रकरण– भ्वादिगण भू, अत्, षिध्, गद्, गुप्,क्षि,पा, ग्लै, श्रु, गम्,एध्, कम्,द्युत्, वृत्, यज्, वह्	20
घटक – II	लघुसिद्धान्तकौमुदी : तिङन्त प्रकरण अदादिगण–अद्, हन्,अस्, इण्, शी, दुह्, लिह्,ब्रू, जुहोत्यादिगण– हु, हा, दाञ्,णिजिर् दिवादिगण– दिव्,नृत्,शो,व्यध्, जन् स्वादिगण–षुञ्, स्तृञ् तुदादिगण– तुद्, भ्रस्ज्, मुच् रुधादिगण– रुध्,तृह्,हिंस् तनादिगण– तन्, कृञ् क्र्यादिगण–क्रीञ्,पूञ्,ग्रह् चुरादिगण– चुर्,कथ,गण	20
घटक – III	लघुसिद्धान्तकौमुदी : कृदन्त प्रकरण – (पूर्व कृदन्त एवं उत्तर कृदन्त)	20
घटक – IV	लघुसिद्धान्तकौमुदी : तद्धित प्रकरण (साधारण प्रत्यय, अपत्याधिकार, रक्ताद्यर्थक, चातुरर्थिक	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – I	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4×3 =	12
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4
घटक – II	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4 ×3=	12

	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4
घटक – III	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4×3 =	12
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4
घटक – IV	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4 ×3 =	12
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – धरानन्द शास्त्री
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – महेशसिंह कुशवाहा
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – ईश्वर सिंह
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – भीमसेन शास्त्री
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – डॉ0 सत्यपाल सिंह

Paper code: 16SKT22HC8

वेदान्त एवं मीमांसा

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	वेदान्तसार–सदानन्द (अध्यारोप प्रकरण पर्यन्त)	20
घटक – II	वेदान्तसार – सदानन्द (अपवाद प्रकरण से लेकर समाप्ति पर्यन्त)	20
घटक – III	अर्थसंग्रह – लौगाक्षि भास्कर (आरम्भ से विधिभाग पर्यन्त)	20
घटक – IV	अर्थसंग्रह – लौगाक्षि भास्कर (मन्त्रभाग प्रकरण से समाप्ति पर्यन्त)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1	(क) चार गद्यांशों में से दो की व्याख्या	10
	(ख) दो प्रश्नों में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	6
घटक – II	(क) चार गद्यांशों में से दो की व्याख्या	10
	(ख) दो प्रश्नों में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	6
घटक – III	दो प्रश्नों में से एक प्रश्न अथवा चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर	16
घटक – IV	दो प्रश्नों में से एक प्रश्न अथवा चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर	16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. वेदान्तसार, व्याख्या, सन्तनारायण श्रीवास्तव्य, सुदर्शन प्रकाशन, इलाहाबाद
2. वेदान्तसार, सम्पा0, व्याख्या, डॉ0 आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
3. वेदान्तसार, Eng. Translation by M. Hiriyanna
4. अर्थसंग्रह , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

Paper code: 16SKT22HC9

नाट्यसाहित्य

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	वेणीसंहारम् – भट्टनारायण – (प्रथम अंक से तृतीय अंक)	20
घटक – II	वेणीसंहारम् – भट्टनारायण – (चतुर्थ अंक से अंत तक)	20
घटक – III	मृच्छकटिकम् – शूद्रक (1–5 अंक)	20
घटक – IV	मृच्छकटिकम् – शूद्रक (6–10 अंक)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1 (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	2×6 = 12
घटक – II (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	2×6 = 12
घटक – I (ख) व II (ख) दो में से एक प्रश्न	1×8 = 8
घटक – III (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	2×6 = 12
घटक – IV (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	2×6 = 12
घटक – III (ख) व IV (ख) दो में से एक प्रश्न	1×8 = 8

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. वेणीसंहार – सम्पादक, डॉ0 शिवराज शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
2. मृच्छकटिकम् –श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
3. मृच्छकटिकम् – रमाशंकर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
4. मृच्छकटिकम् – आचार्य जगदीश प्रसाद पाण्डेय एवं मदनगोपाल वाजपेयी, भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली
5. मृच्छकटिकम् – शास्त्रीय, सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन, डॉ0 शालीग्राम द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Paper code: 16SKT22HC10

अनुवाद एवं निबन्ध

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	कारकप्रकरण – (सिद्धान्तकौमुदी)	20
घटक – II	संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद	20
घटक – III	हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद	20
घटक – IV	साहित्यिक निबन्ध	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1	(क) 6 में से 4 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	$4\times2=8$
	(ख) 6 में से 4 उदाहरणों में रेखांकित पदों में ससूत्र विभक्तिनिर्देश	$4\times2=8$
घटक – II	2 में से एक अनुच्छेद का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद	16
घटक – III	2 में से एक अनुच्छेद का हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद	16
घटक – IV	4 में से एक विषय पर निबन्ध	16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) व्याख्याकार डॉ0 श्रीनिवास शास्त्री
2. कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) व्याख्याकार श्री धरानन्द शास्त्री
3. रचना–अनुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी
4. प्रौढ रचना–अनुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी
5. संस्कृतनिबन्धशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी।

SOFT CORE (ELECTIVE) FOR SANSKRIT STUDENTS AGAINST OPEN ELECTIVE

Semester- III **M.M-100**

Credit- 3 **Theory-80**

Course code-16SKT22SO1 **Internal Assessment-20**

नीतिशास्त्र

घटक – I	तैत्तिरीय उपनिषद्– शिक्षावल्ली	20
घटक – II	श्रीमद्भगवद्गीता अध्याय–6	20
घटक – III	श्रीमद्भगवद्गीता अध्याय–16,17	20
घटक – IV	भर्तृहरि : नीतिशतक	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1	चार में से दो सन्दर्भों की सप्रसंग व्याख्या	$2 \times 8 = 16$
घटक – II	छः में से चार श्लोकों की व्याख्या	$4 \times 4 = 16$
घटक – III	छः में से चार श्लोकों की व्याख्या	$4 \times 4 = 16$
घटक – IV	चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	$2 \times 8 = 16$

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. तैत्तिरीय उपनिषद्, गीता प्रैस गोरखपुर
2. भर्तृहरि : शतकत्रयम्, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली
3. नीतिशतकम् (भर्तृहरि कृत), भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
4. संस्कृत के लोक विश्रुत नीतिकाव्य, चौखम्बा ओरिण्टालिया, दिल्ली
5. श्रीमद्भगवद्गीता, गीता प्रैस, गोरखपुर

M.A. III Semester

Paper code: 17SKT23HC11

संस्कृति एवं धर्मशास्त्र

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I मनुस्मृति (प्रथम अध्याय) 20

घटक – II याज्ञवल्क्य स्मृति (व्यवहाराध्याय) 20

(i) साधारण व्यवहार मात्रिक प्रकरण

(ii) असाधारण व्यवहार मात्रिक प्रकरण

(iii) दाय–विभाग प्रकरण

घटक – III कौटिल्य अर्थशास्त्र (प्रथम भाग–प्रथम अधिकरण) 20

घटक – IV रामायण, महाभारत एवं पुराण : रामायण व महाभारत के संस्करण, अनुवर्ती साहित्य के प्रेरणा स्रोत के रूप में रामायण व महाभारत, पुराण की परिभाषा, पुराणों का सांस्कृतिक महत्त्व, पुराणों में सृष्टि विद्या 20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1	छः में से चार श्लोकों की व्याख्या	4×4 = 16
घटक – II	छः में से चार सन्दर्भों की व्याख्या	4×4 = 16
घटक – III	छः में से चार सन्दर्भों की व्याख्या	4×4 = 16
घटक – IV	दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×16 =16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. मनुस्मृति – सम्पादक, जयन्त कृष्ण हरिकृष्ण दवे, भारतीय विद्या भवन, मुम्बई
2. मनुस्मृति – सम्पा0, गंगानाथ झा, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली
3. मनुस्मृति – व्याख्याकार, डॉ0 सुरेन्द्र कुमार, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली
4. याज्ञवल्क्य स्मृति – व्याख्याकार, गंगासागर राय
5. याज्ञवल्क्य स्मतृति – उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान
6. Hindu Judicial system – S Vardachari
7. Laws of Manu – G. Buhler
8. Hindu Jurisprudence – P.K. Sen

Paper code: 17SKT23HC12

काव्यप्रकाश एवं साहित्यदर्पण

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	काव्यप्रकाश (1–2; 4, 8 उल्लास)	20
घटक – II	काव्यप्रकाश (नवम–दशम उल्लास) अलंकार : अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, निदर्शना, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, संकर, संसृष्टि	20
घटक – III	साहित्यदर्पण (1–2 परिच्छेद)	20
घटक – IV	साहित्यदर्पण (3.1–29, 6.1–11, 6.224–268, 6.315–324)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1	4 कारिकाओं में से दो की व्याख्या अथवा 2 प्रश्नों में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	16
घटक – II	6 में से 4 अलंकारों के लक्षण व उदाहरण	16
घटक – III	4 कारिकाओं में से दो की व्याख्या अथवा 2 प्रश्नों में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	16
घटक – IV	दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न अथवा तीन में से दो टिप्पणी	16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. काव्यप्रकाश, सम्पा. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
2. काव्यप्रकाश, व्याख्याकार – आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
3. साहित्यदर्पण – निरूपण विद्यालंकार
4. साहित्यदर्पण – शालिग्राम शास्त्री
5. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास : आचार्य बलदेव उपाध्याय

Paper code-17SKT23SC1

व्याकरणशास्त्र का इतिहास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक 80

घटक-1 शिक्षा, निरुक्त, प्रातिशाख्य 20

घटक-2 पाणिनीय परम्परा 20

घटक-3 पाणिनीयेतर परम्परा 20

घटक-4 नव्य व्याकरण और व्याकरण दर्शन 20

दिशानिर्देश–

नोट– 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक-1 दो में से एक प्रश्न 16

घटक-2 दो में से एक प्रश्न 16

घटक-3 दो में से एक प्रश्न 16

घटक-4 दो में से एक प्रश्न 16

अनुशंसित ग्रन्थ–

1. व्याकरण शास्त्र का इतिहास (भाग 1–3)–युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़ (सोनीपत)
2. व्याकरण शास्त्र का इतिहास (छात्रोपयोगी सस्करण)–युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़
3. संस्कृत व्याकरण का इतिहास–सत्यकाम वर्मा
4. संस्कृत व्याकरण की रुपरेखा–डॉ. यज्ञवीर दहिया, ईस्टर्न बुक लिकर्स, दिल्ली
5. संस्कृत शास्त्रो का इतिहास–बलदेव उपाध्याय
6. व्याकरण दर्शन–रामसुरेश त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन

Paper code: 17SKT23SC2

प्राच्य व्याकरण

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	काशिका (प्रथम अध्याय, 1–2 पाद)	20
घटक – II	काशिका (प्रथम अध्याय, 3–4 पाद)	20
घटक – III	उणादिपाठ (1–2 पाद)	20
घटक – IV	लिङ्गानुशासन	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – I	छः सूत्रों में से चार सूत्रों के उदाहरण एवं प्रत्युदाहरण सहित व्याख्या	4×4= 16
घटक – II	छः सूत्रों में से चार सूत्रों के उदाहरण एवं प्रत्युदाहरण सहित व्याख्या	4×4= 16
घटक – III	छः में से चार रूपों की सिद्धि	4×4= 16
घटक – IV	दस में से आठ सूत्रों के सोदाहरण अर्थ	8×2= 16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. काशिका – व्याख्याकार : डॉ॰ रघुवीर वेदालंकार
2. काशिका – व्याख्याकार : डॉ॰ वेदपाल विद्याभारकर
3. काशिका – व्याख्याकार : डॉ॰ ईश्वर चन्द्र
4. काशिका – व्याख्याकार : डॉ॰ जय शंकर लाल त्रिपाठी
5. उणादिकोश– व्याख्याकार : सुश्री सोमलेखा एवं पं0 ईश्वरचन्द्र
6. वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी भाग 4 व्याख्याकार : पं0 बालकृष्ण पंचोली
7. लिंगानुशासन – व्याख्याकार : पं0 सुदर्शन देव आचार्य

Paper code: 17SKT23SC3

व्याकरणदर्शन

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	महाभाष्यम् (प्रथम आह्निक)	20
घटक – II	महाभाष्यम् (द्वितीय आह्निक)	20
घटक – III	वाक्यपदीयम् ब्रह्मकाण्ड (1–74 कारिका)	20
घटक – IV	वाक्यपदीयम् ब्रह्मकाण्ड (75–116 कारिका)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – I	(क) दो सन्दर्भों में से एक की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक प्रश्न	8
घटक – II	(क) दो सन्दर्भों में से एक की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक प्रश्न	8
घटक – III	(क) चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	6
घटक – IV	(क) चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	6

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार – युधिष्ठिर मीमांसक
2. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार – चारुदेव शास्त्री
3. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार – डॉ॰ सुदर्शन देव आचार्य
4. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार – डॉ॰ अवनीन्द्र कुमार
5. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार – डॉ॰ भीम सिंह
6. वाक्यपदीय – Commentry by K. Ayyor
7. वाक्यपदीय – व्याख्याकार – सत्यकाम वर्मा
8. वाक्यपदीय – व्याख्याकार – सूर्यनारायण शुक्ल

Paper code- 17SKT23SC4

भारतीय दर्शन का इतिहास

समय–3घण्टे पूर्णांक–80

घटक–1 चार्वाक,बौद्ध एवं जैन दर्शन	20
घटक–2 न्याय एवं वैशेषिक दर्शन	20
घटक–3 सांख्य एवं योग दर्शन	20
घटक–4 वेदांत एवं मीमांसा दर्शन	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

प्रत्येक घटक में से चार में से दो प्रश्नों के उत्तर 2x8x4=64

अथवा

प्रत्येक घटक में से छः में से चार पर टिप्पणियॉ 4x4x4=64

अनुशंसित ग्रन्थ –

भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय
भारतीय दर्शन का इतिहास – एस0 एन0 दासगुप्ता
भारतीय दर्शन की रूपरेखा – एम0 हिरियन्ना
An outline of Indian philosophy – Dutta and Chatterji
भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र

Paper code: 17SKT23SC5

बौद्ध एवं जैन दर्शन

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक –I	बौद्धदर्शन – शून्यवाद निरूपणपर्यन्त (सर्वदर्शनसंग्रह माधवाचार्य)	20
घटक – II	बौद्धदर्शन – विज्ञानवाद निरूपण से अन्त तक (सर्वदर्शनसंग्रह माधवाचार्य)	20
घटक – III	जैनदर्शन – पंच महाव्रत निरूपण पर्यन्त (सर्वदर्शनसंग्रह माधवाचार्य)	20
घटक – IV	जैनदर्शन–तत्त्व निरूपण से अन्त तक (सर्वदर्शनसंग्रह माधवाचार्य)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – I	(क) दो में से एक सन्दर्भ की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	8
घटक – II	(क) दो में से एक सन्दर्भ की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	8
घटक – III	(क) दो में से एक सन्दर्भ की व्याख्या	8
	(ख) दो में से सैद्धान्तिक प्रश्न	8
घटक – IV	(क) दो में से एक सन्दर्भ की व्याख्या	8
	(ख) दो में से सैद्धान्तिक प्रश्न	8

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. सर्वदर्शनसंग्रह – माधवाचार्य, संस्कृत टीकाकार–काशीनाथ वासुदेव अभ्यंकर
2. सर्वदर्शन संग्रह – हिन्दी व्याख्या, उमाशंकर शर्मा ऋषि
3. भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय
4. भारतीय दर्शन –भाग–1, राधाकृष्णन्
5. बौद्धदर्शन मीमांसा – बलदेव उपाध्याय
6. बौद्धदर्शन – राहुल सांकृत्यायन
7. SarvaDarshan Sangrah – Eng. Tr. E.B. Cowelland. E. Gough
8. Buddhist Logic (Vol I&II) Tr. St. Cherbtsky

Paper code: 17SKT23SC6

न्याय एवं वैशेषिक दर्शन

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	न्यायदर्शन–(वात्स्यायन भाष्य सहित प्रथम अध्याय प्रथम आह्निक)	20
घटक – II	न्यायदर्शन– (वात्स्यायन भाष्य सहित प्रथम अध्याय द्वितीय आह्निक)	20
घटक – III	न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड)	20
घटक – IV	न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (अनुमान खण्ड)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – I	(क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	8
घटक – II	(क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	8
घटक – III	(क) दो में से एक कारिका की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक प्रश्न	8
घटक – IV	(क) दो में से एक कारिका की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक प्रश्न	8

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. न्यायदर्शनम् – सम्पा0 श्री नारायण मिश्र
2. न्यायदर्शनम् – आचार्य उदयवीर शास्त्री
3. न्यायदर्शन – ब्रह्ममित्र अवस्थी
4. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली – डॉ0 गजानन शास्त्री मुसलगांवकर
5. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली – आचार्य लोकमणि दाहाल
6. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली – चन्द्रधारी सिंह
7. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (दिनकरी–रामरुद्री टीका), चौखम्बा, वाराणसी
8. The Navya Theory of knowledge- Satish Chandra Chatterji
9. Critique of Indian Realism – D.N. Shastri

Paper code- 17SKT23SC7

लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास

समय – 3घण्टे **पूर्णांक–80**

घटक 1– महाकाव्य (अश्वघोष से श्रीहर्ष तक) **20**

घटक 2–(क) गद्य साहित्य (आर्यशूर से अम्बिकादत्त व्यास तक)

(ख) कथा साहित्य (विष्णुशर्मा से सोमदेव तक) **20**

घटक 3–नाट्य साहित्य –(भास से भट्टनारायण तक) **20**

घटक 4–अन्य काव्य विधाएँ (खण्ड काव्य, गीति काव्य, मुक्तक काव्य,

स्तोत्र काव्य एवं चम्पू काव्य – कालिदास से जगन्नाथ तक) **20**

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

प्रत्येक घटक में से चार में से दो प्रश्नों के उत्तर 2x8x4=64

अथवा

प्रत्येक घटक में से छः में से चार पर टिप्पणियॉ 4x4x4=64

अनुशंसित ग्रन्थ –

संस्कृत साहित्य का इतिहास– वाचस्पति गैरोला
संस्कृत साहित्य का इतिहास– एस0 के0 डे
History of Sanskrit literature- M. Krishnammachari

Paper code: 17SKT23SC8

नाट्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	नाट्यशास्त्रम् भरत – (प्रथम अध्याय)	20
घटक – II	नाट्यशास्त्रम् भरत – (द्वितीय अध्याय)	20
घटक – III	दशरूपकम् धनंजय (प्रथम प्रकाश)	20
घटक – IV	दशरूपकम् धनंजय (तृतीय प्रकाश)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – I	छः में से चार सन्दर्भों की व्याख्या	16
घटक – II	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक प्रश्न	8
घटक – III	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक प्रश्न	8
घटक – IV	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	8
	(ख) चार में से दो टिप्पणियाँ	8

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. नाट्यशास्त्र – व्या0 भोलानाथ व्यास
2. दशरूपक – व्या0 श्रीनिवास शास्त्री
3. दशरूपक – व्या0 भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

Paper code: 17SKT23SC9

नाटक

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	मुद्राराक्षसम् विशाखदत्त –(1–3 अंक)	20
घटक – II	मुद्राराक्षसम् विशाखदत्त– (4–7 अंक)	20
घटक – III	उत्तररामचरितम् भवभूति (1–3 अंक)	20
घटक – IV	उत्तररामचरितम् भवभूति (4–7 अंक)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – I	चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	16
घटक – II	चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	16
घटक – III	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	6
घटक – IV	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	6

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. मुद्राराक्षसम् – व्या0 डॉ0 निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भण्डार, सुभाषबाजार मेरठ
2. मुद्राराक्षसम् – व्या0 पुष्पा गुप्ता, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
3. उत्तररामचरितम् – व्या0 तारिणीश झा
4. उत्तररामचतरिम् – व्या0 डॉ0 कृष्णलाल शुक्ल एवं डॉ0 रमाकान्त शुक्ल, साहित्य भण्डार, मेरठ

Paper code: 17SKT23SC10

वैदिकसाहित्य का इतिहास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक 80

घटक-1 संहिता साहित्य–रचनाकाल, वर्ण्यविषय 20

घटक-2 ब्राह्मण साहित्य–रचनाकाल, वर्ण्यविषय 20

घटक-3 आरण्यक–उपनिषद्–रचनाकाल, वर्ण्यविषय 20

घटक-4 वेदांग साहित्य–रचनाकाल, वर्ण्यविषय 20

दिशानिर्देश–

नोट – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक-1 दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां 16

घटक-2 दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां 16

घटक-3 दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां 16

घटक-4 दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 टिप्पणियां 16

Paper code-17SKT23SC11

ऋग्वेद एवं यजुर्वेद संहिता

समय : 3 घण्टे पूर्णांक 80

घटक-1 ऋग्वेद संहिता– अग्नि (1.19); सूर्य (1.50); ब्रह्मणस्पति (2.23); मित्र (3.59); ऊषस् (3.61); संघटन (10.191) 20

घटक-2 ऋग्वेद संहिता – बृहस्पति (4.50); पर्जन्य (5.83); पूषन् (6.53); सरस्वती (10.29); वरुण (1.25) 20

घटक-3 यजुर्वेद संहिता (प्रथम अध्याय) उव्वट, महीधर तथा स्वामी दयानन्द के भाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन 20

घटक-4 यजुर्वेद संहिता (अध्याय 32, 34, 36) उव्वट, महीधर तथा स्वामी दयानन्द के भाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन 20

दिशानिर्देश–

नोट – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देष अधोलिखित हैं–

घटक-1 (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या 10

(ख) दो में से एक प्रश्न 6

घटक-2 (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या 10

(ख) दो में से एक प्रश्न 6

घटक-3 (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या 10

(ख) दो में से एक प्रश्न 6

घटक-4 (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या 10

(ख) दो में से एक प्रश्न 6

अनुषंसित ग्रन्थ–

1. ऋक्सूक्तसग्रह–कृष्ण कुमार एवं हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार,सुभाष बाजार,मेरठ

2. शुक्ल यजुर्वेद भाष्य–उव्वट–महीधर कृत

3. ऋग्वेद एवं यजुर्वेद का सुबोध भाष्य–श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, पारडी

4. ऋग्वेद एवं यजुर्वेद भाष्य–महर्षि दयानन्द सरस्वती, वैदिक यन्त्रालय, अजमेर

5. ऋग्वेद सायण भाष्य, विश्वेश्वरान्द वैदिक शोध संस्थान, होशियार

6. वैदिक सग्रह एवंम् व्याख्या–बलदेव सिंह मेहरा

Paper code-17SKT23SC12

सामवेद एवं अथर्ववेद संहिता

समय : 3 घण्टे पूर्णांक 80

घटक-1 सामवेद संहिता–पूर्वार्चिक, प्रथम प्रपाठक, प्रथमार्ध्द (1–64 मात्र) 20

घटक-2 अथर्ववेद संहिता– मेधाजनन सूक्त (1.1); अपां भेषजम् (1.5,1.6); सामनस्य (6.64); 20

शत्रुबाधन (1.16); राज्ञः सवरण (6.87); ध्रुवो राजा (6.80); राष्ट्रसभा (7.13); विराट् (8.102);

सभा समितिश्च (7.13)

घटक-3 अथर्ववेद संहिता– राष्ट्रबल (19.41); ब्रह्मा (19.43); पूर्ण आयु (19.61); सर्वप्रिय (19.62) 20

आयुर्वर्धन (19.63); दीर्घायु (19.67); वेदमाता (19.71); विवाह प्रकरण (14.2)

घटक-4 वैदिक स्वर परिचय (क) वैदिक स्वरों का सामान्य परिचय 12

(ख) सामवेदीय स्वरांकन विधि 8

दिशानिर्देश–

नोट – 16–16 अंक के कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में सें दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक-1 (क) चार में से दो मन्त्रों की व्याख्या 10

(ख) दो में से एक प्रश्न 6

घटक-2 (क) चार में से दो मत्रो की व्याख्या 10

(ख) दो में से एक प्रश्न 6

घटक-3 (क) चार में से दो मत्रो की व्याख्या 10

(ख) दो में से एक प्रश्न 6

घटक-4 (क) दो मे एक प्रश्न अथवा चार में से दो टिप्पणियां 10

(ख) दो मे एक प्रश्न 6

अनुशंसित ग्रन्थ–

1. सामवेद संहिता–सायण भाष्य

2. सामवेद संहिता, भाष्य–डॉ. रामनाथ वेदालंकार

3. सामवेद संहिता, सुबोध भाष्य–श्रीपाद दामोदर सातवलेकर

4. सामवेद संहिता, अंग्रेजी अनुवाद–स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती एवं सत्यकाम विद्यालकार

6. अथर्ववेद संहिता–सायण भाष्य

6. अथर्ववेद संहिता, सुबोध भाष्य–श्रीपाद दामोदर सातवलेकर

7. अथर्ववेद संहिताभाष्य–क्षेमकरण दास त्रिवेदी

Paper code:17SKT23SO2

SOFT CORE (ELECTIVE) FOR SANSKRIT STUDENTS Against Open Elective

Semester – III **M.M. – 100**

संस्कृत काव्य कला विकास **Theory – 80**

Internal Assessment - 20

Time -3 Hours

घटक – 1 : संस्कृत कोश परिचय

घटक – 2 : छन्द 20

घटक – 3 : अलङ्कार 20

घटक – 4 : आधुनिक संस्कृत लेखन की प्रवृत्तियाँ 20

दिशानिर्देश

घटक – 1	(क) दो में से एक प्रश्न	10
	(ख) चार में दो टिप्पणियाँ	2×5= 10
घटक – 2	(क) चार में से दो छन्दों के लक्षण व उदाहरण	2×5= 10
	(ख) चार में से दो श्लोकों पर चिह्न लगाकर छन्द निर्धारण	2×5= 10
घटक – 3	(क) चार में से दो अलंकारों के लक्षण व उदाहरण	2×5= 10
	(ख) चार में दो श्लोकों के अलंकारों का निर्धारण	2×5= 10
घटक – 4	दो में से एक प्रश्न अथवा	
	चार में दो टिप्पणियाँ	20

अनुशंसित ग्रंथ

1. संस्कृत कोशों का उद्भव एवं विकास : डॉ० देवब्रत सेन शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़

2. The Nighantu and Nirukta (Ed. & Tr. by Laxman Sarup) : Motilal Banarsidass, Delhi.

3. A Vedic Concordance by M. Bloomfield : Motilal Banarsidass, Delhi.

4. अनुवादकला एवं वाग्व्यवहारादर्श, चारुदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

5. अमरकोष (प्रथमकाण्ड), सं० कन्हैयालाल जोशी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

6. अमरकोष, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

7. नाट्यशास्त्र विश्वकोष, राधावल्लभ त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

8. वैदिक पदानुक्रम कोश, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

9. वाचस्पत्यम् (6 भाग), भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली

10. शब्दकल्पद्रुम (5 भाग), भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली

11. शब्दकौस्तुभ (3 भाग), भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली

12 संस्कृत कोश–शास्त्र के विविध आयाम, सत्यपाल नारंग, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली

13. वृत्तरत्नाकार, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

14 छन्दोऽलङ्कारसौरभम्, डॉ० सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली

15 काव्यप्रकाश, चौखम्बा ऑरियण्टालिया, दिल्ली

16. अलंकारमञ्जरी, पं० जगन्नाथ भारती तैलङ्ग, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली

Paper code-17SKT23OE

SYLLABUS FOR OPEN ELECTIVE SANSKRIT

Ancient Indian Culture and Philosophy

(प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं दर्शन)

M.M. – 100

Theory – 80

Internal Assessment - 20

Time -3 Hours

Unit I : General Study of Ramayana and Mahabharta - 20

घटक एक : (रामायण व महाभारत का सामान्य अध्ययन)

(i) General Introduction (सामान्य परिचय)

(ii) Recenssions (संस्करण)

(iii) Society (समाज)

(iv) Family Relations (पारिवारिक सम्बन्ध)

(v) Education (शिक्षा)

(vi) Politics (राजनीति)

(vii) Economy (अर्थव्यवस्था)

(viii) Situation of Women (स्त्रियों की दशा)

Unit II : Vidurniti - 20

घटक दो : (विदुरनीति)

Unit III :Śrimadbhagavad Gītā – Chapters I to III - 20

घटक तीन श्रीमद्भगवद्गीता : अध्याय – एक से तीन

Unit IV : Yoga Philosophy - 20

घटक चार योग दर्शन

(i) General Introduction to Yoga – Citta, Vrtti, Iśvara

योग दर्शन का सामान्य परिचय – चित्त, वृत्ति, ईश्वर

(ii) Yoga for Social Health – Maitri, Karunā, Muditā, Upekshā, Yama

योग एवं सामाजिक स्वास्थय – मैत्री, करुणा, मुदिता, उपेक्षा, यम

(iii) Yoga for physical health – Niyama, Āsana, Prānāyāma
योग एवं शारीरिक स्वास्थ्य – नियम, आसन, प्राणायाम

(iv) Yoga for mental health – Pratyāhāra, dhāranā, dhyāna, samādhi.

योग एवं मानसिक स्वास्थ्य – प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि

Guidelines : Students will be required to attempt five questions of 16 marks each.

Question no. 1 will comprise eight short answer type questions from all Units. Guidelined for other Four questions are as under.

दिशा निर्देश –

Unit I : One critical question out of two

Or

two shortnotes out of four. 16

Unit II : One critical question out of two

Or

two shortnotes out of four. 16

Unit III : One critical question out of two

Or

two shortnotes out of four. 16

Unit IV : One critical question out of two

Or

two shortnotes out of four. 16

Recommended Books (अनुशंसित ग्रन्थ) :

1. रामायण – गीता प्रेस गोरखपुर

2. महाभारत – गीता प्रेस, गोरखपुर

3. Srimad Valmikiya Ramayana with Commentaries in 6 Vols. भारतीय विद्या प्रकाशन, जवाहर नगर, दिल्ली – 7

4. Srimad Mahabharatam Ed. by T.R. Krishnacharya – Indian Book Centre, Sri Satguru Publications, 24/4, Shakti Nagar, Delhi.

5. Valmiki Ramayana me Varnit Arthik Jeevan – Kaveri Book Service

6. Valmiki Ka Rajdharma – Kaveri Book Service

7. श्रीराम के युग का तिथि निर्धारण : पुष्कर भटनागर, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली

8. Politics and Ethics in Ancient India (As depicted in Mahabharta) : M. Jauhari – भारतीय विद्या प्रकाशन, जवाहर नगर, दिल्ली

9. Religion and Society in Ancient India : Om Parkash - भारतीय विद्या प्रकाशन, जवाहर नगर, दिल्ली

10. रामायणकालीन समाज एवं संस्कृति : जगदीश चन्द्र भट्ट – भारतीय विद्या प्रकाशन, जवाहर नगर, दिल्ली

11. Vidurniti by Swami Jagdishwaranand – Kaveri Book Service

12. श्रीमद्भगवद्गीता – गीता प्रेस, गोरखपुर

13. A Bhagavad Gita : Kappuswami – चौखम्बा आरियण्टालिया, दिल्ली

14. पातञ्जलयोगसूत्रम् (व्यासभाष्यम्) – व्या० ब्रह्मलीनमुनि

15. पातञ्जलयोगसूत्रम् – व्या० सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव्य

16. पातञ्जलयोगसूत्रम् – व्या० हरिहरानन्द आरण्य

17. व्याख्याकारों की दृष्टि में पातञ्जलयोग दर्शन – विमला कर्णाटक

18. The Yoga System of Patanjali – J.H. Woods.

19. Essence of Yoga – Reflections on the Yoga Sutras of Patanjali by Bernard Bauan Chand – Indian Book Centre, Sri Satguru Publications, Delhi.

20. Meditative Yoga : Integrating Body, Breath and Mind by Are Holen and Terbojrn Hobbel : Motilal Banarsidass, Delhi.

21. The Art and Science of Raja Yoga by J. Donald Walters : Motilal Banarsidass, Delhi.

M A Semester IV

Paper code: 17SKT24HC13

संस्कृत–शास्त्र–परम्परा

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I आयुर्वेद एवं रसायन–शास्त्र : सामान्य परिचय 20

चरक संहिता,सुश्रुत संहिता,वाग्भट्ट,बोपदेव,हेमाद्रि,कायस्थ चामुण्ड,तीसट भावमिश्र,टोडरानन्द,लोलिम्बराज,नागार्जुन,गोविन्दभगवत्पाद,रसेन्द्रचूडामणि रसप्रकाश,रसार्णव,रसराजलक्ष्मी,रसेन्द्रसारसंग्रह,रसरत्नसमुच्चय रसरत्नाकर,रसेन्द्रचिन्तामणि,रससार,रसेन्द्रकल्पद्रुम

घटक – II ज्योतिष एवं गणित–शास्त्र : सामान्य परिचय 20

बोधायन,कात्यायन,आपस्तम्ब,वराहमिहिर(पंचसिद्धान्तिका),ब्रह्मगुप्त,आर्यभट्ट, भास्कराचार्य(प्रथम),कल्याणवर्मा,लल्ल,भास्कराचार्य(द्वितीय),श्रीधर,श्रीपति,महावीर, मुनीश्वर,

घटक – III साहित्य–शास्त्र : सामान्य परिचय 20

भरत,मेधाविरुद्र,भामह,दण्डी,उद्भटभट्ट,आनन्दवर्धन,मम्मट,विश्वनाथ,अभिनवगुप्त राजशेखर,मुकुलभट्ट,धनंजय,भट्टनायक,कुन्तक,महिमभट्ट,भोजराज,रुय्यक,शारदातनय शिंगभूपाल,रूपगोस्वामी,अप्पयदीक्षित,विश्वेश्वरपण्डित,
रस–सम्प्रदाय,अंलकार–सम्प्रदाय,रीति–सम्प्रदाय,वक्रोक्ति–सम्प्रदाय,
ध्वनि–सम्प्रदाय, औचित्यसम्प्रदाय

घटक – IV छन्द,कोश एवं व्याकरण–शास्त्र : सामान्य परिचय 20

छन्द शास्त्र–
आचार्यपिंगल,जयदेव,जयकीर्ति,केदारभट्ट,क्षेमेन्द्र,हेमचन्द्र,गंगादास,
कोश–
निघण्टु, यास्क, देवराजयज्वा दुर्गाचार्य,भास्कररराय,अमरसिंह,अमरकोश के टीकाकार,शाश्वत,धनंजय,पुरुषोत्तमदेव,हलायुध,यादवप्रकाश,महेश्वर,अजय, मेदिनीकोश,हेमचन्द्र,केशवस्वामी, केशव,शाहजी महाराज, हर्षकीर्ति, महामहोपाध्याय,रामावतार शर्मा,
व्याकरण–शास्त्र–
पाणिनि पूर्व वैयाकरण,पाणिनि,कात्यायन,पतंजलि,भर्तृहरि,वामनजयादित्य, रामचन्द्राचार्य,भट्टोजिदीक्षित,कौण्डभट्ट,वरदराज,नारायणभट्ट,नागेशभट्ट,
इतर सम्प्रदाय–
कातन्त्र व्याकरण,चान्द्र व्याकरण,जैनेन्द्र व्याकरण,भोज व्याकरण,

सिद्धहैम व्याकरण,सारस्वत व्याकरण,मुग्धबोध,संक्षिप्तसार व्याकरण

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I	दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न अथवा तीन मे से दो टिप्पणी	16
घटक – II	दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न अथवा तीन मे से दो टिप्पणी	16
घटक – III	दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न अथवा तीन मे से दो टिप्पणी	16
घटक – IV	दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न अथवा तीन मे से दो टिप्पणी	16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला
3. व्याकरणशास्त्र का इतिहास (छात्रोपयोगी संस्करण) – युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़
4. संस्कृत व्याकरण का इतिहास – सत्यकाम वर्मा

Paper code: 17SKT24HC14

पालि एवं प्राकृत

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I पालि प्रवेशिका – डॉ0 कोमल चन्द्र जैन–व्याकरण भाग–1
वर्ण परिचय, सन्धि, कृत् प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय, समास, स्त्री प्रत्यय, कारक,
शब्द रूप, धातु रूप 20

(क) शब्द रूप – बुद्ध, मुनि, अग्गि, भिक्खु, राया, अत्ता, अप्पा, पिता, कञ्या, इत्थी, माता

(ख) धातु रूप – भू, गम, पठ, ठा, दिस्स, कर, दा, पुच्छ, कथ, सक्ख (केवल–लट्, लङ्, लृट्, लोट्, विधिलिङ् लकार)

घटक – II पालि प्रवेशिका – डॉ0 कोमल चन्द्र जैन (भाग–2 साहित्य संकलन) 20

घटक – III प्राकृत प्रवेशिका – डॉ0 कोमल चन्द्र जैन–व्याकरण :
वर्ण परिचय, सन्धि, कृत् प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय, समास, स्त्री प्रत्यय, कारक, शब्द रूप, धातु रूप 20

(क) शब्दरूप – वच्छ, देव, गिरि, मुणी, तरु, गुरु, पिऊ, (पिअर), राय, माला, लता, बुद्धि, धेणु, सव्व, युष्मद्, अस्मद्, अप्पा (आत्मन्)

(ख) धातुरूप – ही (भू), पच, अस्, कृ–कर, हस्, दिस्स, भण, गम (गच्छ) पुच्छ, कथ, ठा, दह (केवल–लट्, लङ्, लृट्, लोट्–विधिलिङ् लकार)

घटक – IV प्राकृत प्रवेशिका – डॉ0 कोमल चन्द्र जैन – (संकलित साहित्य) 20

दिशानिर्देश :
नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16
शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I (क) चार में से दो शब्दरूप $2\times2 = 4$
(ख) चार में से दो धातुरूप (निर्दिष्ट लकारों में से कोई एक लकार) $2\times2 = 4$
(ग) चार में से दो पदो में सन्धि/समास प्रदर्शन $2\times1 = 2$
(घ) चार में से दो पदो में तद्धित प्रत्यय प्रदर्शन $2\times1 = 2$
(ङ) चार में से दो पदो में कृत् प्रत्यय प्रदर्शन $2\times1 = 2$
(च) चार में से दो पदो में स्त्री प्रत्यय/लिंग प्रदर्शन $2\times1 = 2$

घटक – 2	(क) चार में दो गद्यांशों का संस्कृत अनुवाद	2×4 = 8
	(ख) चार में से दो पद्यांशों का हिन्दी अनुवाद	2×4 = 8
घटक–3	(क) चार में से दो शब्दरूप	2×2 = 4
	(ख) चार में से दो धातुरूप (निर्दिष्ट लकारों में से कोई एक लकार)	2×2 = 4
	(ग) चार में से दो पदो में सन्धि/समास प्रदर्शन	2×1 = 2
	(घ) चार में से दो पदो में तद्धित प्रत्यय प्रदर्शन	2×1 = 2
	(ङ) चार में से दो पदो में कृत् प्रत्यय प्रदर्शन	2×1 = 2
	(च) चार में से दो पदो में स्त्री प्रत्यय/लिंग प्रदर्शन	2×1 = 2
घटक – 4	(क) चार में दो गद्यांशों का संस्कृत अनुवाद	2×4 = 8
	(ख) चार में से दो पद्यांशों का हिन्दी अनुवाद	2×4 = 8

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. पालिप्पदीपिका – वीरेन्द्र कुमार अलंकार, वागाम्भृणी, पिंजौर (पंचकूला)
2. भिक्षु जगदीश कश्यप, पालि महाव्याकरण।
3. कच्चायन व्याकरण – सम्पा0 एस0 एन0 तिवारी
4. वालावतार (पालि व्याकरण) सम्पा0 द्वारिकादास शास्त्री वाराणसी
5. भरत सिंह उपाध्याय – हिस्ट्री ऑफ पालि लिटरेचर
6. एम0 विण्टरनित्स – हिस्ट्री ऑफ पालि लिटरेचर (Vol-2)
7. पी0 एल0 वैद्य – प्राकृत ग्रामर, पूना 1958
8. नेमिचन्द्र शास्त्री – अभिनव प्राकृत–व्याकरण, वाराणसी, 1963
9. वररुचि – प्राकृत प्रकाश सम्पा0 कोवेल, कलकत्ता, 1932
10. जगदीश चन्द्र जैन – प्राकृत साहित्य का इतिहास, वाराणसी, 1961
11. पालि–प्रवेशिका – डॉ0 कोमल चन्द्र जैन
12. प्राकृत प्रवेशिका – डॉ0 कोमल चन्द्र जैन

Paper code: 17SKT24SC13

सिद्धान्तकौमुदी–I

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	सुबन्त प्रकरण–अजन्त प्रकरण	20
घटक – II	सुबन्त प्रकरण–हलन्त प्रकरण	20
घटक – III	कृदन्त प्रकरण–पूर्व कृदन्त प्रकरण– ण्वुल् तृचौ (3.1.123) से यस्य विभाषा तक	20
घटक – IV	कृदन्त प्रकरण–पूर्व कृदन्त प्रकरण– परिस्कन्दः प्राच्यभरतेषु (8.3.75) से प्रकरण के अन्त तक	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4×3 =	12
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4
घटक – II	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4 ×3=	12
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4
घटक – III	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4×3 =	12
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4
घटक – IV	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4 ×3 =	12
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग 1 व्याख्याकार पं0 बालकृष्ण पंचोली
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग 4 व्याख्याकार पं0 गिरिधर शर्मा एवं पं0 परमेश्वरानन्द शर्मा भास्कर
3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग 4 व्याख्याकार पं0 बालकृष्ण पंचोली

Paper code: 17SKT24SC14

सिद्धान्तकौमुदी–II

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I सिद्धान्तकौमुदी (भ्वादिगण–भू, एध्, स्पर्ध, दध्, अत्, च्युतिर्, षिधू, खद, अर्द्, अज्, क्षि, गुपू, कमु, क्रम्, जि, गाहू, गृहू, द्युत्, वृत्, कृपू, षह, पा, खन्, गुह्, धेट्, ह्वृ, श्रु, देङ्, तॄ, गम्लृ, सृप्, दृशिर्, यज्, वस्, ह्वे, श्वि 20

घटक – II सिद्धान्तकौमुदी (अदादि–अद्, हन्, द्विष्, दुह्, चक्षिङ्, आस्, शीङ्, ष्टुञ्, ब्रूञ्, इण्, या, वच्, विद्, अस्, रुदिर्, ञिष्वप्, जागृ, शासु
जुहोत्यादि–हु, ञिभी, डुभृञ्, माङ्, ओहाक्, डुदाञ्, डुधाञ्।
दिवादिगण–दिवु, नृती, क्षिप्, षूङ्, माङ्, शो, दो, जनी, दीपी, विद्, बुध्, युध्, मन्, राध्, पुष्, णश्, मदी, असु) 20

घटक – III सिद्धान्तकौमुदी (शेष गण)
स्वादिगण–षुञ्, चिञ्, वृञ्, आप्लृ, शक्लृ, राध्, अशू
तुदादिगण–तुद्, णुद्, क्षिप्, कृष्, इषु, मृङ्, कॄ, गॄ, प्रच्छ्, विश्, मुच्लृ, विद्लृ,
रुधादिगण–रुधिर्, भिदिर्, ञिइन्धी, भुज्, अञ्जू
तनादिगण–तनु, षणु, मनु, डुकृञ्
क्रयादिगण–डुक्रीञ्, पूञ्, लूञ्, वॄञ्, ज्ञा, ग्रह
चुरादिगण–चुर्, पीङ्, पॄ, प्रथ्, ज्ञप्, चिञ्, लोकृ, लोचृ, कथ, गण 20

घटक – IV सिद्धान्तकौमुदी (प्रक्रिया प्रकरण) – ण्यन्त, सन्नन्त, यङन्त, नाम धातु 20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4×3 =	12
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4
घटक – II	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4 ×3=	12
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4
घटक – III	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4×3 =	12

(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4
घटक – IV 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4 ×4 =	16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग 3 व्याख्याकार पं0 बालकृष्ण पंचोली
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग 3 व्याख्याकार पं0 गिरिधर शर्मा एवं पं0 परमेश्वरानन्द शर्मा भास्कर

Paper code: 17SKT24SC15

सिद्धान्तकौमुदी–III

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	सिद्धान्तकौमुदी समास प्रकरण (अव्ययीभाव तथा तत्पुरुष)	20
घटक – II	सिद्धान्तकौमुदी समास प्रकरण (बहुव्रीहि एवं द्वन्द्व)	20
घटक – III	सिद्धान्तकौमुदी तद्धित प्रकरण (मत्वर्थीय)	20
घटक – IV	सिद्धान्तकौमुदी (कृत्य प्रकरण)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4×3 =	12
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4
घटक – II	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4 ×3=	12
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4
घटक – III	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4×3 =	12
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4
घटक – IV	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	4 ×3 =	12
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	2×2 =	4

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग 2 व्याख्याकार पं0 बालकृष्ण पंचोली
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग 2 व्याख्याकार पं0 गिरिधर शर्मा एवं पं0 परमेश्वरानन्द शर्मा भास्कर
3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग 4 व्याख्याकार पं0 बालकृष्ण पंचोली
4. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग 4 व्याख्याकार पं0 गिरिधर शर्मा एवं पं0 परमेश्वरानन्द शर्मा भास्कर
5. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (समास प्रकरण) व्याख्याकार – आचार्य जगदीश शास्त्री, श्रीमती मधुबाला शर्मा

Paper code: 17SKT24SC16

योगदर्शन

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	योगदर्शन व्यासभाष्य सहित (प्रथम पाद)	20
घटक – II	योगदर्शन व्यासभाष्य सहित (द्वितीय पाद)	20
घटक – III	योगदर्शन व्यासभाष्य सहित (तृतीय पाद)	20
घटक – IV	योगदर्शन व्यासभाष्य सहित (चतुर्थ पाद)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I	(क) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	8
घटक – II	(क) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	8
घटक – III	(क) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	8
घटक – IV	(क) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	8

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. पातंजलयोगसूत्रम् (व्यास भाष्यम्) – व्या0 ब्रह्मलीन मुनि
2. पातंजलयोगसूत्रम् (व्यास भाष्यम्) – व्या0 सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव्य
3. पातंजलयोगसूत्रम् (व्यास भाष्यम्) – व्या0 हरिहरानन्द आरण्य
4. पातंजलयोगसूत्रम् (व्यास भाष्यम्) – व्या0 आचार्य राजबीर शास्त्री
5. व्याख्याकारों की दृष्टि में पातंजल योगदर्शन– विमला कर्णाटक
6. The yogasystem of patanjali- J.H. Woods.

Paper code-17SKT24SC17

पूर्व एवं उत्तर–मीमांसा

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	मीमांसा दर्शन (शाबर भाष्य), प्रथम अध्याय प्रथम पाद (1–11)	20
घटक – II	मीमांसा दर्शन (शाबर भाष्य) प्रथम अध्याय प्रथम पाद (12 से अन्त तक)	20
घटक – III	ब्रह्मसूत्र (शांकर भाष्य) प्रथम अध्याय–प्रथम पाद (1–4 सूत्र)	20
घटक – IV	ब्रह्मसूत्र (शांकर भाष्य) प्रथम अध्याय प्रथम पाद (5–31 सूत्र तक)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अद्योलिखित हैं –

घटक – I	(क) दो में से एक सूत्र की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक प्रश्न	8
घटक – II	(क) दो में से एक सूत्र की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक प्रश्न	8
घटक – III	चार में से दो टिप्पणियाँ अथवा दो में से एक प्रश्न	16
घटक – IV	6 में से 4 सूत्रों की व्याख्या	16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. मीमांसादर्शनम् – (तर्कपाद) – उमाशङ्कर शर्मा ऋषि
2. मीमांसादर्शन विमर्श – वाचस्पति उपाध्याय
3. मीमांसादर्शन का उद्‌भव और विकास – प्रेमा अवस्थी
4. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य – श्री स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, वाराणसी
5. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य – (चतुःसूत्री)–(व्याख्याकार) आचार्यविश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणि, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
6. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य – व्याख्याकार, कामेश्वरमिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी

Paper code: 17SKT24SC18

रामानुज एवं दयानन्द दर्शन

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	तत्त्वत्रयम् – लोकाचार्य	20
घटक – II	यतीन्द्रमतदीपिका, श्रीनिवासाचार्य (8–9 अवतार)	20
घटक – III	ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका–महर्षि दयानन्द सरस्वती (उपासना एवं मुक्ति विषय)	20
घटक – IV	ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका–महर्षि दयानन्द सरस्वती (सृष्टिविद्या एवं पुनर्जन्म विषय)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I	(क) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	8
घटक – II	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	8
घटक – III	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	8
घटक – IV	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	8

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. तत्त्वत्रयम् – लोकाचार्य
2. यतीन्द्रमतदीपिका, व्या0, आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी
3. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका– महर्षि दयानन्द
4. भूमिकाभास्कर– स्वामी विद्यानन्द सरस्वती
5. दयानन्ददर्शन – डॉ0 वेदप्रकाश गुप्त
6. दयानन्ददर्शन – एक अध्ययन – डॉ0 श्रीनिवास शास्त्री
7. Shri Ramanuj, Philosophy and religion- Dr. P.B. Vidyarthi
8. Study in Ramanuj Vedenta – S.R. Bhatt

Paper code: 17SKT24SC19

काव्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	काव्यमीमांसा, राजशेखर (अध्याय 1–5)	20
घटक – II	ध्वन्यालोक, आनन्दवर्धन (प्रथम उद्योत)	20
घटक – III	वक्रोक्तिजीवितम् – कुन्तक (प्रथमोन्मेष)	20
घटक – IV	काव्यालंकारसूत्र – वामन (प्रथम अधिकरण)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	2×4= 8
	(ख) चार में से दो की टिप्पणी	2×4= 8
घटक – II	चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	2×8= 16
घटक – III	चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	2×8= 16
घटक – IV	छः में से चार सूत्रों की व्याख्या	4×4= 16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. काव्य मीमांसा – राजशेखर
2. ध्वन्यालोक – व्याख्याकार श्री कृष्ण कुमार
3. ध्वन्यालोक – व्याख्याकार, आचार्य विश्वेश्वर
4. वक्रोक्तिजीवित – कुन्तक
5. काव्यालंकार सूत्र – वामन

Paper code: 17SKT24SC20

संस्कृत महाकाव्य

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	रघुवंशम् – कालिदास (प्रथम तथा चतुर्दश सर्ग)	20
घटक – II	किरातार्जुनीयम् – भारवि (प्रथम सर्ग)	20
घटक – III	नैषधीयचरितम्–श्री हर्ष (प्रथम सर्ग, श्लोक 1–80)	20
घटक – IV	नैषधीयचरितम्–श्री हर्ष (प्रथम सर्ग, श्लोक 81 से अन्त तक)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I	(क)	चार में से दो पद्यों की व्याख्या	2×5= 10
	(ख)	दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6= 6
घटक – II	(क)	चार में से दो पद्यों की व्याख्या	2×5= 10
	(ख)	दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6= 6
घटक – III	(क)	चार में से दो पद्यों की व्याख्या	2×5= 10
	(ख)	दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6= 6
घटक – IV	(क)	चार में से दो पद्यों की व्याख्या	2×5= 10
	(ख)	दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6= 6

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. नैषधीय चरितम् – व्या0 शेष कृष्ण शर्मा रेग्मी
2. नैषधीय चरितम् – व्या0 निर्णय सागर प्रेस, मुम्बई
3. रघुवंश – English Translation, M.R. Kale.
4. किरातार्जुनीयम् – English Translation, M.R. Kale.

Paper code-17SKT24SC21

संस्कृत गद्य

समय–3 घण्टे **पूर्णांक–80**

घटक 1–हर्षचरितम् ,पंचम उच्छ्वास **20**

घटक 2–दशकुमारचरितम् ,मूलभाग, 1–4 उच्छ्वास, (राजवाहनचरित से उपहारवर्मन्चरित पर्यन्त) **20**

घटक 3–कुमुदिनीचन्द्र , 1–8 कला **20**

घटक 4– कुमुदिनीचन्द्र , 9–16 कला **20**

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे

जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I	(क) चार में से दो गद्यांशों की व्याख्या	2×5=	10
	(ख) दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6=	6
घटक – II	(क) चार में से दो गद्यांशों की व्याख्या	2×5=	10
	(ख) दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6=	6
घटक – III	(क) चार में से दो गद्यांशों की व्याख्या	2×5=	10
	(ख) दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6=	6
घटक – IV	(क) चार में से दो गद्यांशों की व्याख्या	2×5=	10
	(ख) दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6=	6

अनुशंसित ग्रन्थ –

1 हर्षचरितम्, बाणभट्ट, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी

2 दशकुमारचरितम्, दण्डी चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी

3 कुमुदिनीचन्द्र, मेधाव्रताचार्य, आचार्य प्रिंटिंग प्रेस, दयानन्द मठ रोहतक

Paper code-17SKT24SC22

उपनिषत्साहित्य

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	केनोपनिषद्	20
घटक – II	प्रश्नोपनिषद्	20
घटक – III	ऐतरेयोपनिषद्	20
घटक – IV	श्वेताश्वतरोपनिषद् (प्रथम अध्याय)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक प्रश्न	8
घटक – II	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक प्रश्न	8
घटक – III	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक प्रश्न	8
घटक – IV	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक प्रश्न	8

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. केनोपनिषद् – गीताप्रेस, गोरखपुर
2. प्रश्नोपनिषद् – गीताप्रेस, गोरखपुर
3. ऐतरेयोपनिषद् – गीताप्रेस, गोरखपुर
4. श्वेताश्वतरोपनिषद्– गीताप्रेस, गोरखपुर
5. एकादशोपनिषद् – सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, प्रकाशक–विजयकृष्ण लखनपाल W-7 A ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली
6. ईशादि नौ उपनिषद् – हरिकृष्णदास गोयन्दका गीता प्रेस, गोरखपुर

Paper code: 17SKT24SC23

वेदाङ्ग

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	निरुक्त (सप्तम अध्याय)	20
घटक – II	कात्यायन शुल्बसूत्र (प्रथम दो कण्डिकाएँ)	20
घटक – III	आश्वलायन श्रौतसूत्र (अध्याय–2)	20
घटक – IV	पारस्कर गृह्यसूत्र (कण्डिका 1–17 तक)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	2×5=	10
	(ख) दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6=	6
घटक – II	(क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	2×5=	10
	(ख) दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6=	6
घटक – III	छः में से चार सूत्रों की व्याख्या	4×4=	16
घटक – IV	छः में से चार सूत्रों की व्याख्या	4×4=	16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. यास्कप्रणीतं निरुक्तम्, कपिलदेव शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
2. कात्यायन शुल्बसूत्र– हिन्दी–अंग्रेजी व्याख्या– डॉ0 डी0 पी0 कुलड़िया, देवेश पब्लिकेशन, रोहतक
3. कात्यायन शुल्बसूत्र, व्याख्या – डॉ0 खदिलकर, पूना विश्वविद्यालय, प्रकाशन, पूना
4. आश्वलायन श्रौतसूत्र, अंग्रेजी अनुवाद – रानाडे
5. पारस्कर गृह्यसूत्र, डॉ0 वेदपाल आचार्य, सत्यार्थ प्रकाशन न्यास, कुरुक्षेत्र।

Paper code: 17SKT24SC24

वैदिक–अध्ययन–परम्परा

समय : 3 घण्टे **Marks : 80**

घटक – I	प्राचीन भारतीय परम्परा – साहित्य, कल्पसूत्र, निरुक्त, निघण्टु, बृह्द्देवता, विभिन्न वेदार्थ पद्धतियाँ	20
घटक – II	प्राचीन वेदभाष्यकार– स्कन्द स्वामी, नारायण, उद्‌गीथ, महेश्वर, माधवभट्ट, वेंकटमाध्व, धानुष्क यज्वा, आत्मानन्द, सायण, उव्वट, महीधर	20
घटक – III	पाश्चात्य वेदभाष्यकार–एच0 टी0 कालब्रुक, विल्सन, रुडोल्फरॉथ, ग्रासमान, मैक्समूलर, टी0 एच0 ग्रीफिथ, ह्विटने, ए. ए. मैक्डानल, ओल्डनबर्ग, ब्लूमफिल्ड, एम. विन्टरनिट्‌ज, ए. वेबर, ए. हिलेब्रान्ट, लुईस, रेनो, डब्लु केलेण्ड, जे. गोण्डा	20
घटक – IV	आधुनिक भारतीय वेदभाष्यकार– महर्षि दयानन्द सरस्वती, अरविन्द घोष, दामोदर सात्वलेकर, मधुसूदन ओझा, क्षेमकरण दास त्रिवेदी, डॉ0 रामनाथ वेदालंकार	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्परहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16
शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I	दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 पर टिप्पणी	16
घटक – II	दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 पर टिप्पणी	16
घटक – III	दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 पर टिप्पणी	16
घटक – IV	दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा 4 में से 2 पर टिप्पणी	16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. वैदिक वाङ्मय का वृहद् इतिहास – भगवद् दत्त
2. वैदिक साहित्य का इतिहास – डॉ0 कृष्ण कुमार

3. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
4. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – डॉ0 वाचस्पति गैरोला
5. History of Indian literature – M. Winternitz